काबुल में भारतीय दूतावास कार्यालय परिसर की आधारशिला रखने के अवसर पर प्रधानमंत्री का भाषण

28 अगस्त, 2005
काबुल

मुझे खुशी है कि काबुल यात्रा के दौरान मुझे भारतीय दूतावास परिसर की आधार-शिला रखने का अवसर प्राप्त हुआ है।

हमने साढ़े तीन साल पहले फिर से काबुल में अपना मिशन खोला था। तब से भारत और अफगानिस्तान के संबंध काफी बेहतर हुए हैं। अफगानिस्तान के राजनैतिक हलकों में यह आम सहमति है कि भारत तथा अफगानिस्तान के पुराने संबंधों को फिर से कायम किया जाए और यह कि भारत अफगानिस्तान के लिए एक आदर्श है। आज का यह अवसर हमारे इस विश्वास का प्रतीक है कि अफगानिस्तान एक स्थायी, लोकतांत्रिक और समृद्ध देश के रूप में उभरेगा तथा यह भी कि भारत, अफगानिस्तान की इस ऐतिहासिक कायापलट में मदद देने में एक महत्वपूर्ण साझीदार है।

सन् 1996 में काबुल में तालिबानों के प्रवेश के बाद एक ऐसा दुर्भाग्यपूर्ण समय आया था जब हमें अपना दूतावास बंद करना पड़ा था। सौभाग्य से वह समय अब अतीत की बात बन गया है। आज मेरी यह यात्रा अफगानिस्तान के सुखद भविष्य और भारत के इस पुराने दोस्त, जिसके साथ हमारे सदियों पुराने सांस्कृतिक और ऐतिहासिक संबंध रहे हैं, के साथ हमारे रिश्तों को मजबूत बनाने की हमारी आशा का प्रतीक है।

मुझे बताया गया है कि विगत में भारतीय दूतावास, विशेष रूप से इसकी लायब्रेरी और फिल्म क्लब अफगानिस्तान के लोगों में काफी लोकप्रिय था। दरअसल, इन्होंने इस महान शहर के सांस्कृतिक जीवन में अपनी छाप छोड़ी थी। नये कार्यालय परिसर में एक लाइब्रेरी, और एक ऐसा बहु-उद्देश्यीय हॉल होगा जिसमें प्रदर्शनियां और सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जा सकेंगे। मुझे पूरी उम्मीद है कि इन सुविधाओं से यह दूतावास एक बार फिर हमारे दोनों देशों के लोगों के बीच दोस्ताना संबंधों को बढ़ाने के लिए एक सम्मेलन स्थल मुहैया कराएगा।

मैं इस अवसर पर काबुल में स्थित भारतीय दूतावास और जलालाबाद, कंधार, हेरात तथा मजार-ए-शरीफ में वाणिज्य दूतावासों के कार्मिकों की इस बात के लिए सराहना करता हूँ कि वे बहुत कठिन परिस्थितियों में अपनी जिम्मेदारियों को भली-भांति निभा रहे हैं। मैं आपकी इस बात के लिए भी सराहना करता हूँ कि आप समर्पित और प्रतिबद्ध होकर हमारे दोनों देशों के लोगों के बीच मित्रता को बढ़ावा दे रहे हैं। यहां के लोगों के बीच भारत सरकार के प्रतिनिधि के रूप में आपको दोनों देशों के बीच मौजूदा सद्भाव को और मजबूत बनाने तथा गहरे दोस्ताना संबंध कायम करने में आपकी महत्वपूर्ण भूमिका है। अत्यंत कठिन परिस्थितियों में इन कर्त्तव्यों को निभाने में आप लोगों के प्रयासों, आपकी निष्ठा और प्रतिबद्धता के लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूं।

मैं आप सभी को धन्यवाद देते हुए आपके सुखद भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाए देता हूं।

.....